(b) the steps outlined by him to save the situation in the textile industry from further deterioration?

The Deputy Minister in the Ministry of Commerce (Shri Shafi Qureshi): (a) and (b). As a result of the discussions which Government have had recently with all the cotton interests concerned, the following steps have already been taken or are proposed to be taken:—

(1) A Bill has just been introduced in the Parliament for converting into an Act the Ordinance which was promulgated in December, 1966. This Ordinance provided enabling powers to the Central Government and its officers to reduce compulsorily machine activity in our mills with a view to effecting savings in the use of raw cotton which is in short supply.

(2) Intensification of steps already taken to secure an orderly and fair distribution of the limited supplies of raw cotton, both domestic and foreign, which are available. These steps included regulation of movement of cotton under permits issued by the Textile Commissioner, stipulation of maximum limits for the holding of cotton stocks by mills and requisitioning cotton supplies, wherever necessary and feasible.

(3) The possibility of importing further quantities of foreign cotton is also being investigated.

Location of Aluminium Factory in Maharashtra

751. **Shrimati Sharda Mukerjee:** Will the Minister of **Steel, Mines and Metals** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a public sector aluminium factory is to be located in Maharashtra;

(b) if so, whether the site for the factory has been determined; and

(c) the estimated cost of the factory?

The Minister of Steel, Mines and Metals (Dr. Chenna Reddy): (a) Yes, Sir.

(b) After considering in consultation with an Expert Team of the West German Consultants, M|s. Vereignite Aluminium Werke (VAW) the various factors in determining the location, such as technical advantages, efficiency and ease of transportation and capital and operational cost, the Consultants were asked to prepare a detailed Project Report with Ratnagiri on the West Coast as location. The Project Report since received is at present under examination.

(c) The cost of the project, as estimated by the West German Consultants, is Rs. 76.09 crores (including Rs. 5.19 crores for township). The cost estimates appear to be on the high side and efforts are being made to revise them suitably.

Passenger Train Halt at Jadupur Village

752. **Shri Chintamani Panigarhi:** Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether any application from the residents of Jadupur Village near Bhubaneswar (South Eastern Railway) has been received for a passenger train halt there; and

(b) if so, the steps taken to meet their demand?

The Minister of Railways (Shri C. M. Poonacha): (a) Yes.

(b) The proposal was examined but could not be accepted for want of adequate justification.

इटारसी जंकशन पर रेलवे फाटक

753. **श्री नीति राज सिंह :** क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या मध्य रेलवे के इटारसी जंकशन पर शहर के क्षेत्र में दो रेलवे फाटक हैं;

(ङ) क्या उक्त दोनों रेलवे फाटक रेलवे स्टेशन के पास डिस्टेंट सिगनलों के अन्दर पड़ते हैं;

(ग) क्या सड़क पर चलने वाले यात्रियों और गाड़ियों को इन दोनों रेलवे फाटकों पर रेलवे यातायात तथा शंटिंग के कारण बहुत देर तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है ;

(घ) क्या ऊपर बताई गई कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए इन फाटकों पर पुल बनाने का सरकार का विचार है ; और

(ङ) यदि हां, तो कब?

रेलवे मंत्री (श्री सी० एम० पुनाचा) : (क) जी हां ।

(ख) जी हां ।

(ग) जी हां ।

(घ) और (ङ). इटारसी-झांसी खण्ड पर वर्तमान समपार की जगह एक ऊपरी सड़क-पुल बनाने के प्रस्ताव की पहले ही स्वीकृति दी जा चुकी है । जब राज्य सरकार सड़क का अस्थायी रूप से मार्ग-परिवर्तन कर देगी तो रेल-प्रशासन द्वारा खास पुल पर निर्माण-कार्य शुरू कर दिया जायेगा ।

इटारसी-जबलपुर खण्ड पर शहर के दूसरे समपार की जगह ऊपरी सड़क पुल बनाने के सम्बध में अभी तक राज्य सरकार की ओर से कोई प्रस्ताव नहीं मिला है ।

इटारसी–जबलपुर सेक्शन पर रेलगाड़ियों का चलना

754. **श्री नीति राज सिंह** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य रेलवे के इटारसी-जबलपुर सेक्शन पर एक अप, एक डाउन और एक डाकगाड़ी को छोड़ कर सभी यात्री गाड़ियां प्रति दिन केवल रात के समय ही चलती हैं;

(ख) क्या सरकार यह महसूस करती है कि रात के समय गाड़ियां चलने के कारण इस क्षेत्र के यात्रियों को असुविधा होती है; और

(ग) यदि हां, तो यात्रियों को होने वाली असुविधा को दूर करने के लिए क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

रेलवे मंत्री (श्री सी० एम० पुनाचा) : (क) से (ग). इस समय जबलपुर-इटारसी खण्ड पर छः जोड़ी गाड़ियां उपलब्ध हैं, जिनमें हफ्ते में दो बार चलने वाली 41/42 जनता एक्सप्रेस भी शामिल हैं । इन में से तीन, अर्थात 389 सवारी गाड़ी, इलाहाबाद के रास्ते चलने वाली 7 बम्बई-कलकत्ता डाकगाड़ी और हफ्ते में दो बार चलने वाली 41 जनता एक्सप्रेस, ऐसी गाड़ियां हैं, जो इटारसी से जबलपुर के बीच दिन के समय चलती हैं । इसी तरह वापसी यात्रा के लिए दिन में दो गाड़ियां अर्थात 390 सवारी गाड़ी और हफ्ते में दो बार चलने वाली 42 जनता एक्सप्रेस गाड़ी उपलब्ध हैं । इटारसी-जबलपुर खण्ड पर एक अतिरिक्त गाड़ी चलाने के सवाल पर रेल प्रशासन पहले से ही विचार कर रहा है और ज्योंही लाइन क्षमता और सवारी डिब्बों के रूप में साधन उपलब्ध होने लगेंगे, ऐसी कार्रवाई की जायेगी जो परिचालन की दृष्टि से व्यावहारिक और उचित होगी ।

इटारसी–जबलपुर सेक्शन के स्टेशनों के प्लेटफार्मों पर शंड

755. **श्री नीति राज सिंह** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य रेलवे के इटारसी-जबलपुर सेक्शन के कुछ स्टेशनों के बीच दोहरी रेलवे लाइन की व्यवस्था की गई है;

(ख) क्या इसके परिणामस्वरूप अप और डाउन रेलगाड़ियां अलग अलग प्लेटफार्मों पर रुकती हैं ;